गोंडवाना विश्वविद्यालय, गड़चिरोली

स्नातकोत्तर भाग-1 हिन्दी- प्रश्नपत्र-1

समय : 3 घंटे **''आधुनिक हिन्दी काव्य'' – प्रथम सत्र्** अंक : 80 + 20

इस प्रश्नपत्र में व्याख्या एवं विवेचना के लिए निम्नांकित छः कवियों एवं द्रुतवान के लिए छः कवियों का समावेश है :-

खण्ड 'क' :

* जयशंकर प्रसाद – कामायनी (श्रध्दा सर्ग)
* हीरा डोम – अछूत की शिकायत

खण्ड 'ख' :

* सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' – सरोज-स्मृति, कुकुरमुत्ता (राग-विराग)
* हरिवंशराय बच्चन – 'मधुशाला' (1 से 30 तक)
  (मधुशाला बच्चन हिंदी पॉकेट बुक्स प्राइवेट लिमिटेड, शाहदरा दिल्ली से)

खण्ड 'ग' :

* हरिऔंध – प्रियप्रवास (नवमसर्ग)
* दुष्यंत कुमार – i) अब किसी को भी आती नहीं कोई दरार।
  ii) कैसे मंजर सामने आगे लगे हैं।

खण्ड 'घ' :

* द्रुतवाचन हेतु निम्नांकित, कवि निर्धारित हैं। इनका संक्षिप्त जीवन-परिचय, काव्यगत विशेषताएँ रचनाओं के लेखन एवं प्रकाशन काल का अध्ययन अपेक्षित है।

1) सुमित्रानंदन पंत 2) महादेवी वर्मा 3) भवानीप्रसाद मिश्र
4) मैथिलीशरण गुप्त 5) धूमिल 6) केदारनाथ अग्रवाल

<u>सूचनाएँ</u> :-

1. **प्रश्न क्रमांक एक** के अंतर्गत **खण्ड 'क', 'ख', 'ग',** में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं कविताओं में से व्याख्या हेतु छः काव्यांश दिए जाएंगे, जिनमें से किन्हीं तीन की व्याख्या अनिवार्य होगी। प्रत्येक व्याख्या हेतु 10 अंक निर्धारित है। 3 x 10 = 30
2. **प्रश्न क्रमांक दो** के अंतर्गत **खण्ड 'क', 'ख', 'ग',** के कवियों एवं कविताओं पर आधारित दो समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से किसी एक प्रश्न को लिखना अनिवार्य है। 10 x 1 = 10
3. **प्रश्न क्रमांक तीन** के अंतर्गत **सम्पूर्ण पाठ्यक्रम** से दस लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5 x 4 = 20
4. **प्रश्न क्रमांक चार** के अंतर्गत पाँच अति लघुत्तरी प्रश्न **सम्पूर्ण पाठ्यक्रम** से पूछे जाएंगे। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न हेतु दो अंक निर्धारित है। 5 x 2 = 10
5. **प्रश्न क्रमांक पाँच** के अंतर्गत दस **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** पूछे जाएंगे। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न हेतु एक अंक निर्धारित है। प्रश्न संपूर्ण पाठ्यक्रम से पूछे जाएंगे। 1 x 10 = 10
6. **अंतर्गत मूल्यांकन –** 20 अंक
   उपस्थिति 05 अंक
   वर्तन 05 अंक
   परिसंवाद / परिचर्चा / गृहकार्य 10 अंक

समय : 3 घंटे **''आधुनिक हिन्दी काव्य'' – द्वितीय सत्र्** अंक : 80 + 20

इस प्रश्नपत्र में व्याख्या एवं विवेचना के लिए निम्नांकित छः कवियों एवं द्रुतवान के लिए छः कवियों का समावेश है :-

खण्ड 'क' :

* जयशंकर प्रसाद – कामायनी (इड़ा सर्ग)
* सुमित्रानंदन पंत – प्रथम रश्मि

खण्ड 'ख' :

* गजानन माधव मुक्तिबोध – चाँद का मुँह टेढ़ा है।
* श्री. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन (अज्ञेय) – नदी के द्वीप

खण्ड 'ग' :

* राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज – ग्राम गीता (श्रम संपत्ति)
* ओमप्रकाश वाल्मिकी – कोई खतरा नहीं

खण्ड 'घ' :

* द्रुतवाचन – द्रुतवाचन हेतु निम्नांकित कवि निर्धारित हैं, जिनकी काव्यगत विशेषताएँ रचनाओं के लेखन एवं प्रकाशन काल का अध्ययन अपेक्षित है।

1) इकबाल 2) नागार्जुन 3) सुभद्राकुमारी चौहान
4) महीपसिंग 5) त्रिलोचन 6) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

<u>सूचनाएँ</u> :-

1. **प्रश्न क्रमांक एक** के अंतर्गत **खण्ड 'क', 'ख', 'ग',** में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं कविताओं में से व्याख्या हेतु छः काव्यांश दिए जाएंगे, जिनमें से किन्हीं तीन की व्याख्या अनिवार्य होगी। प्रत्येक व्याख्या हेतु 10 अंक निर्धारित है। 3 x 10 = 30
2. **प्रश्न क्रमांक दो** के अंतर्गत **खण्ड 'क', 'ख', 'ग',** के कवियों एवं कविताओं पर आधारित दो समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से किसी एक प्रश्न को लिखना अनिवार्य है। 10 x 1 = 10
3. **प्रश्न क्रमांक तीन** के अंतर्गत **सम्पूर्ण पाठ्यक्रम** से दस लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5 x 4 = 20
4. **प्रश्न क्रमांक चार** के अंतर्गत पाँच अति लघुत्तरी प्रश्न **सम्पूर्ण पाठ्यक्रम** से पूछे जाएंगे। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न हेतु दो अंक निर्धारित है। 5 x 2 = 10
5. **प्रश्न क्रमांक पाँच** के अंतर्गत दस **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** पूछे जाएंगे। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न हेतु एक अंक निर्धारित है। प्रश्न संपूर्ण पाठ्यक्रम से पूछे जाएंगे। 1 x 10 = 10
6. **अंतर्गत मूल्यांकन –** 20 अंक
   उपस्थिति 05 अंक
   वर्तन 05 अंक
   परिसंवाद / परिचर्चा / गृहकार्य 10 अंक

–: संदर्भ ग्रंथ :–

1) अज्ञेय का काव्य–एक मूल्यांकन – डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर

2) अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या – रामस्वरूप चतुर्वेदी

3) आधुनिक कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ – डॉ. नगेन्द्र

4) मुक्तिबोध ज्ञान और संवेदना – नंदकिशोर नवल

5) मुक्तिबोध की काव्य चेतना और मूल्य संकल्प – डॉ. हुकूमचंद राजपाल

6) प्रसाद का काव्य – डॉ. प्रेमशंकर

7) कवि प्रसाद की काव्य साधना – रामनाथ सुमन

8) निराला की साहित्य साधना – रामविलास शर्मा

9) निराला काव्य में मानवीय चेतना – डॉ. रमेशदत्त मिश्र

10) क्रान्तिकारी कवि – निराला

11) ग्रामगीता (हिन्दी) अनुवादक – प्रा. रघुनाथ कडवे – संस्कार प्रकाशन, नागपुर

12) निराला और मुक्तिबोध – नंदकिशोर नवल

13) कामायनी : एक पुनर्विचार – ग. मा. मुक्तिबोध

14) कामायनी : इतिहास और रुपक – सुशीला भारती

15) मुक्तिबोध के प्रतीक और बिम्ब – चंचल चौहान

16) कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ – डॉ. नगेन्द्र

समय : 3 घंटे **प्रयोजनमूलक हिन्दी – द्वितीय सत्र्** अंक : 80 + 20

खण्ड 'क' :

मीडिया लेखन :-

* जनसंचार : प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियाँ
* विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप-मुद्रण, श्रव्य, दृश्य-श्रव्य, इंटरनेट
* दृश्य-श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलिविजन एवं विडिओ)
* दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति, दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य, पार्श्ववाचन (वायसओवर) पटकथा लेखन, साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रुपांतर विज्ञापन की भाषा
* इंटरनेट : सामग्री सृजन

खण्ड 'ख' :

अनुवाद के सिद्धान्त :-

* अनुवाद का अर्थ, परिभाषा, प्रकार क्षेत्र एवं प्रविधि।
* अनुवाद की आवश्यकता एवं महत्त्व।
* जनसंचार माध्यमों का अनुवाद।
* विज्ञापन में अनुवाद, वाणिज्यिक अनुवाद, वैज्ञानिक, तकनीकी तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अनुवाद।

खण्ड 'ग' :

व्यावहारिक अनुवाद :-

* कार्यालयीन एवं प्रशासनिक शब्दावली, प्रशासनिक प्रयुक्तियों, पदनाम, विभाग आदि।
* साहित्यिक, प्रमाण, विभाग आदि।
* साहित्यिक-अनुवाद के सिध्दान्त एवं व्यवहार : कविता, कहानी, नाटक एवं वैचारिक साहित्य।
* सारानुवाद।
* दुभाषिया प्रविधि।
* अनुवाद पुनरीक्षण एवं मूल्यांकन।

सूचनाएँ :-

1. **प्रश्न क्रमांक एक खण्ड 'क'**से दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य होगा। प्रश्न के लिए 15 अंक निर्धारित है। 15
2. **प्रश्न क्रमांक दो खण्ड 'ख'** से दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य होगा। प्रश्न के लिए 15 अंक निर्धारित है। 15
3. **प्रश्न क्रमांक तीन खण्ड 'ग'** से दो प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। 15
4. **प्रश्न क्रमांक चार** में संपूर्ण पाठ्यक्रम से दस प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से पाँच प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है। 5 x 3 = 15
5. **प्रश्न क्रमांक पाँच 'अ' तथा 'ब'** दो भागों में विभक्त किया गया हैं।
   (अ) 'अ' विभाग में संपूर्ण पाठ्यक्रम से पाँच अति लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर दो अंक निर्धारित हैं। 5 x 2 = 10
   (ब) 'ब' विभाग में संपूर्ण पाठ्यक्रम से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर एक अंक निर्धारित है। 10 x 1 = 10
6. **अंतर्गत मूल्यांकन –** 20 अंक
   उपस्थिति 05 अंक
   वर्तन 05 अंक
   परिसंवाद / परिचर्चा / गृहकार्य 10 अंक

समय : 3 घंटे **प्रयोजनमूलक हिन्दी – प्रथम सत्र्** अंक : 80 + 20

खण्ड 'क' :

<u>कामकाजी हिन्दी</u> :–

* प्रयोजनमूलक हिन्दी का स्वरूप एवं व्याख्या।
* कार्यालयीन हिन्दी (राजभाषा) के प्रमुख प्रकार्य, प्रारूपण, पत्र-लेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पण।
* पारिभाषिक शब्दावली का अर्थ, स्वरूप, प्रकार एवं महत्व।

खण्ड 'ख' :

<u>हिन्दी कम्प्यूटिंग</u> :–

* कम्प्यूटर : परिचय, रुपरेखा उपयोग।
* इंटरनेट संपर्क उपकरणों का परिचय, प्रकार्यात्मक रख-रखाव।
* वेब पब्लिशिंग / इंटर एक्सप्लोइट अथवा नेट स्केप।
* लिंक, ब्राउजिंग, ई-मेल भेजना/प्राप्त करना, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट, पोर्टल, डाऊनलोडिंग व अपलोडिंग हिन्दी सॉफ्टवेअर, पॅकेज।

खण्ड 'ग' :

<u>पत्राकरिता</u> :–

* पत्राकरिता : स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार।
* हिन्दी पत्राकरिता का संक्षिप्त इतिहास।
* समाचार लेखन कला (दूरदर्शन, रेडिओ, समाचार पत्र के संदर्भ में)
* संपादन के आधारभूत तत्व एवं व्यावहारिक प्रुफ शोधन।
* शीर्षक की संरचना, लीड, इन्ट्रो एवं शीर्षक-संपादन।
* संपादकीय लेखन / पृष्ठ सज्जा।
* साक्षात्कार, पत्रकार वार्ता एवं प्रेस प्रबंधन।
* प्रमुख प्रेस कानून एवं आचार संहिता।

<u>सूचनाएँ</u> :–

1. **प्रश्न क्रमांक एक खण्ड 'क'**से दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य होगा। प्रश्न के लिए 15 अंक निर्धारित है। 15
2. **प्रश्न क्रमांक दो खण्ड 'ख'** से दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य होगा। प्रश्न के लिए 15 अंक निर्धारित है। 15
3. **प्रश्न क्रमांक तीन खण्ड 'ग'** से दो प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है। 15
4. **प्रश्न क्रमांक चार** में संपूर्ण पाठ्यक्रम से दस प्रश्न पूछें जाएंगे, जिनमें से पाँच प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है। 5 x 3 = 15
5. **प्रश्न क्रमांक पाँच 'अ' तथा 'ब'** दो भागों में विभक्त किया गया हैं।
   (अ) 'अ' विभाग में संपूर्ण पाठ्यक्रम से पाँच अति लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर दो अंक निर्धारित हैं। 5 x 2 = 10
   (ब) 'ब' विभाग में संपूर्ण पाठ्यक्रम से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर एक अंक निर्धारित है। 10 x 1 = 10
6. **अंतर्गत मूल्यांकन –** 20 अंक
   उपस्थिती 05 अंक
   वर्तन 05 अंक
   परिसंवाद / परिचर्चा / गृहकार्य 10 अंक

–: संदर्भ ग्रंथ :–

1)	प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिध्दांत और प्रयोग	–	दंगल झाल्टे
2)	प्रयोजनमूलक हिन्दी	–	डॉ. विनोद गोदरे
3)	प्रयोजनमूलक हिन्दी का स्वरूप	–	प्रो. राधे मोहन शर्मा
4)	प्रयोजनमूलक हिन्दी : संरचना और प्रयोग	–	डॉ. माधव सोनटक्के
5)	राजभाषा के संदर्भ में हिन्दी आंदोलन का इतिहास	–	डॉ. उदयनारायण दुबे
6)	पारिभाषिक शब्द संग्रह	–	(प्र.) केंद्रीय हिन्दी निदेशालय
7)	पारिभाषिक अधिनियम (1962-1967)	–	–
8)	राजभाषा हिन्दी	–	डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया
9)	वृहद पारिभाषिक शब्द संग्रह	–	वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग
10)	मानक हिन्दी का शुध्दिपरक व्याकरण	–	डॉ. रमेशचंद्र मेहरोत्रा
11)	व्यावहारिक पत्र–लेखन	–	डॉ. के. पी. शहा
12)	प्रामाणिक आलेखन और टिप्पण	–	प्रो. विराज एम. ए.
13)	समाचार पत्र व्यवस्थापन	–	अनंत गोपाल शेवड़े
14)	हिन्दी पत्रकारिता : विविध आयाम	–	डॉ. वेदप्रताप वैदिक
15)	अनुवाद विज्ञान : सिध्दांत और अनुप्रयोग	–	डॉ. नगेंद्र
16)	प्रायोगिक अनुवाद विज्ञान	–	डॉ. सराफ गोस्वामी, विकास
17)	मिडिया लेखन	–	सुमित मोहन
18)	काम्प्यूटर : क्या? क्यों? कैसे?	–	वरूण कुमार शर्मा
19)	मिडिया लेखन–सिध्दांत और प्रयोग	–	मुकेश मानस
20)	भारत में संचार और जनसंचार	–	डॉ. जे. वी. विलानिलम अनु. डॉ. शशिकांत शुक्ला
21)	समाचार पत्र–कला	–	पं. अंबिकाप्रसाद वाजपेयी
22)	समाचार संकलन और लेखन	–	डॉ. नंदकिशोर त्रिखा
23)	कम्प्यूटर एक परिचय	–	सं. संतोष चौबे
24)	कम्प्यूटर के सिध्दांत तथा प्रोग्राम	–	डॉ. जोखन सिंह
25)	इंटरनेट	–	शशि शुक्ला

समय : 3 घंटे **हिन्दी साहित्य का इतिहास** अंक : 80 + 20

(1050 से 1375 तक) **– प्रथम सत्र्**

खण्ड 'क' :

* हिन्दी-साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा एवं पुर्नलेखन की आवश्यकता एवं समस्याएँ।
* आदिकाल : पृष्ठभूमि, काल निर्धारण और नामकरण।

खण्ड 'ख' :

* सिध्द और नाथ साहित्य, रासोकाव्य और जैन साहित्य।
* आदिकाल का परिदृश्य, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, काव्य धाराएँ, प्रमुख रचनाकार और उनकी रचनाएँ।

खण्ड 'ग' :

* भक्तिकाल (पूर्व मध्यकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल निर्धारण, नामकरण।
* सांस्कृतिक चेतना एवं भक्ति आंदोलन विभिन्न काव्य धाराएँ, उनकी विशेषताएँ तथा प्रमुख निर्गुण संत कवि।

खण्ड 'घ' :

* भारत में सूफी मत का विकास तथा प्रमुख सूफी कवि एवं उनके काव्य ग्रंथ, सूफी काव्य की प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ।
* सगुण काव्य, प्रमुख कवि और उनकी रचनागत विशेषताएँ।

<u>सूचनाएँ</u> :–

1. निर्धारित पाठ्य विषय के चार खण्ड 'क', 'ख', 'ग', और 'घ' होंगे।
2. **प्रश्न क्रमांक एक** में **खण्ड 'क'** एवं **खण्ड 'ख'** से दो-दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित हैं। 10 x 2 = 20
3. **प्रश्न क्रमांक दो** में **खण्ड 'ग'** एवं **खण्ड 'घ'** से दो-दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित हैं। 10 x 2 = 20
4. **प्रश्न क्रमांक तीन** में दस **लघूत्तरी प्रश्न** पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्ही पाँच के उत्तर अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पर चार अंक निर्धारित है। 5 x 4 = 20
5. **प्रश्न क्रमांक चार** में पाँच **अति लघुत्तरी प्रश्न** पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर दो अंक निर्धारित हैं। 5 x 2 = 10
6. प्रश्न क्रमांक पाँच में दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न पर एक अंक निर्धारित है। 10 x 1 = 10
7. **अंतर्गत मूल्यांकन –** 20 अंक
   उपस्थिति 05 अंक
   वर्तन 05 अंक
   परिसंवाद / परिचर्चा / गृहकार्य 10 अंक

समय : 3 घंटे **हिन्दी साहित्य का इतिहास** अंक : 80 + 20

(1375 से अब तक) **– द्वितीय सत्र्**

खण्ड 'क' :

* रीतिकाल (उत्तर मध्यकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल निर्धारण एवं नामकरण।
* दरबारी संस्कृति, लक्षण ग्रंथों की परंपरा एवं विकास।
* रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ (रीतिबध्द, रीतिसिध्द ओर रीतिमुक्त), प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकर, उनकी रचनाएँ एवं विशेषताएँ।

खण्ड 'ख' :

* आधुनिक काल की पृष्ठभूमि, काल-निर्धारण एवं नामकरण।
* भारतेन्दु युग एवं द्विवेदी युग-प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ, प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ।
* हिंदी स्वच्छंदतावादी चेतना का विकास - छायावादी एवं उत्तर छायावादी काव्य : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ एवं विशेषताएँ। (प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नईकविता, नवगीत, अकविता, समकालिन कविता)

खण्ड 'ग' :

* हिंदी गद्य विधाएँ - उपन्यास, कहानी, नाटक एवं एकांकी का सामान्य परिचय एवं उनकी विशेषताएँ।
* अन्य विधाएँ - निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, रिपोतार्ज का सामान्य परिचय एवं उनकी विशेषताएँ।
* हिन्दी आलोचना का उद्‌भव एवं विकास। (महावीर प्रसाद द्विवेदी, हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामचंद्र शुक्ल, नामवर सिंह)
* ऊर्दू साहित्य का संक्षिप्त परिचय।

खण्ड 'घ' :

* दलित साहित्य की पृष्ठभूमि, सामान्य परिचय, नामकरण एवं विशेषताएँ।
* दलित साहित्य एवं आदिवासी साहित्य-प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ, प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ।
* स्त्री विमर्श - पृष्ठभूमि, सामान्य परिचय, विशेषताएँ - साहित्यकार एवं रचनाएँ।

<u>सूचनाएँ</u> :-

1. निर्धारित पाठ्य विषय के चार खण्ड 'क', 'ख', 'ग', और 'घ' होंगे।
2. **प्रश्न क्रमांक एक** में **खण्ड 'क'** एवं **खण्ड 'ख'** से दो-दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित हैं। 10 x 2 = 20
3. **प्रश्न क्रमांक दो** में **खण्ड 'ग'** एवं **खण्ड 'घ'** से दो-दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित हैं। 10 x 2 = 20
4. **प्रश्न क्रमांक तीन** में दस **लघुत्तरी प्रश्न** पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्ही पाँच के उत्तर अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पर चार अंक निर्धारित है। 5 x 4 = 20
5. **प्रश्न क्रमांक चार** में पाँच **अति लघुत्तरी प्रश्न** पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर दो अंक निर्धारित हैं। 5 x 2 = 10
6. **प्रश्न क्रमांक पाँच** में दस **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न पर एक अंक निर्धारित है। 10 x 1 = 10
7. **अंतर्गत मूल्यांकन –** 20 अंक
   उपस्थिति 05 अंक
   वर्तन 05 अंक
   परिसंवाद / परिचर्चा / गृहकार्य 10 अंक

–: संदर्भ ग्रंथ :–

हिंदी साहित्य का उपन्यास

1)	भारतीय दलित साहित्य परिप्रेक्ष्य	–	सम्पादक पुन्नीसिंह, कमलाप्रसाद राजेन्द्र शर्मा
2)	हिंदी साहित्य का सरल इतिहास	–	विश्वनाथ त्रिपाठी
3)	भाषा साहित्य और संस्कृति	–	विमलेश कान्ति वर्मा, मालती
4)	आधुनिक साहित्य में दलित विमर्श	–	देवेन्द्र चौबे
5)	समकालीन भारतीय साहित्य	–	साहित्य अकादमी पत्रिका
6)	दलित आत्मकथाएं अनुभव से चिंतन	–	सुभाषचंद्र
7)	हिंदी साहित्य का इतिहास	–	आचार्य रामचंद्र शुक्ल
8)	हिंदी साहित्य का आदिकाल	–	हजारी प्रसाद द्विवेदी
9)	हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास	–	डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
10)	हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	–	डॉ. रामविलास शर्मा
11)	हिंदी रीति साहित्य	–	डॉ. भगीरथ मिश्र
12)	हिंदी साहित्य का इतिहास	–	डॉ. माधव सोनटक्के
13)	आदिकालीन हिंदी साहित्य की सांस्कृतिक पीठिका	–	डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
14)	हिन्दी साहित्य का इतिहास	–	आचार्य रामचंद्र शुक्ल
15)	हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास	–	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
16)	हिन्दी साहित्य की भूमिका	–	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
17)	हिन्दी साहित्य का इतिहास	–	डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
18)	भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ	–	डॉ. रामविलास शर्मा
19)	भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ	–	डॉ. रामविलास शर्मा
20)	महावीरप्रसाद द्विवेदी और नवजागरण	–	डॉ. रामविलास शर्मा
21)	हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास	–	डॉ. बच्चन सिंह
22)	साहित्य और इतिहास दृष्टि	–	डॉ. मैनेजर पाण्डेय
23)	हिन्दी साहित्य और संवेदना	–	रामस्वरूप चतुर्वेदी
24)	साठोत्तरी हिन्दी कविता : परिवर्तित दिशाएँ	–	विजय कुमार
25)	समकालीन कविता और कुलीनतावाद	–	अजय तिवारी
26)	नई कविता का आत्मसंघर्ष	–	ग. मा. मुक्तिबोध
27)	नए साहित्य का सौंदर्यशास्त्र	–	ग. मा. मुक्तिबोध

समय : 3 घंटे **काव्यशास्त्र एवं साहित्य लोचन – प्रथम सत्र्** अंक : 80 + 20

भारतीय काव्यशास्त्र

खण्ड 'क' :

संस्कृत काव्यशास्त्र :– काव्य-लक्षण, काव्य-हेतु, काव्य-प्रयोजन, काव्य के प्रकार।

रस-सिध्दांत :– रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, रस के अंग, साधारणीकरण सहृदय की अवधारणा।

खण्ड 'ग' :

अलंकार सिध्दांत :– मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण।

रीति सिध्दांत :– रीति की अवधारणा, काव्य-गुण, रीति एवं शैली, रीति सिध्दांत की प्रमुख स्थापनाएँ।

खण्ड 'ग' :

वक्रोक्ति-सिध्दांत :– वक्रोक्ति की अवधारणा, वेक्रोक्ति के भेद।

ध्वनि सिध्दांत :– ध्वनि का स्वरूप, प्रमुख स्थापनाएँ, शब्द-शक्तियाँ और उनके भेद।

औचित्य सिध्दांत :– प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद।

खण्ड 'घ' :

व्यावहारिक समीक्षा :– प्रश्नपत्र में दिए गए किसी काव्यांश / गद्यांश की स्वविवेक के अनुसार समीक्षा।

सूचनाएँ :–

1. **प्रश्न क्रमांक एक** में **खण्ड 'क'** एवं **खण्ड 'ख'** से दो-दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित हैं। 10 x 2 = 20
2. **प्रश्न क्रमांक दो** में **खण्ड 'ग'** एवं **खण्ड 'घ'** (पद्यांश एवं गद्यांश) दो-दो प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित हैं। 10 x 2 = 20
3. **प्रश्न क्रमांक तीन** में दस **लघुत्तरी प्रश्न** पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्ही पाँच के उत्तर अपेक्षित है। 5 x 2 = 10
4. **प्रश्न क्रमांक चार** में दस **अति लघुत्तरी प्रश्न** पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्ही पाँच के उत्तर अपेक्षित हैं, प्रत्येक प्रश्न पर चार अंक निर्धारित हैं। 5 x 4 = 20
5. **प्रश्न क्रमांक पाँच** में **सम्पूर्ण पाठ्यक्रम** से दस वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर एक अंक निर्धारित हैं। 1 x 10 = 10
6. **अंतर्गत मूल्यांकन –** 20 अंक
   - उपस्थिति 05 अंक
   - वर्तन 05 अंक
   - परिसंवाद / परिचर्चा 10 अंक

समय : 3 घंटे **काव्यशास्त्र एवं साहित्य लोचन – द्वितीय सत्र्** अंक : 80 + 20

भारतीय काव्यशास्त्र

खण्ड 'क' :

प्लेटो	:	काव्य–सिध्दांत।
अरस्तू	:	अनुकरण–सिध्दांत, त्रासदी–विवेचन।
लोंजाइनस	:	उदात्त की अवधारणा।

खण्ड 'ग' :

ड्राइडन	:	ड्राइडन के काव्य सिध्दांत।
वर्डस्वर्थ	:	काव्य भाषा का सिध्दांत।
कॉलरिज	:	कल्पना सिध्दांत और ललित कल्पना (फैन्टेसी)।

खण्ड 'ग' :

टी. एस. इलियट	:	परम्परा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिध्दांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण, सम्वेदनशीलता का असाहचार्य।
आई.ए. रिचर्ड्स	:	मूल्य सिध्दांत, सम्प्रेषण सिध्दांत, व्यावहारिक समीक्षा सिध्दांत।
सिध्दांत और वाद	:	अभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मनोविश्लेषणवाद, संरचनावाद, शैलीविज्ञान, विखंडनवाद, उत्तर–आधुनिकतावाद।

खण्ड 'घ' :

हिंदी कवि	:	आचार्यों का काव्यशास्त्रीय चिंतन : लक्षण–काव्य–परंपरा एवं कवि–शिक्षा।
हिंदी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ	:	शास्त्रीय, व्यक्तिवादी, तुलनात्मक, प्रभावशाली, समाजशास्त्रीय, सौंदर्यशास्त्रीय, शैलि वैज्ञानिक।

सूचनाएँ :–

1. **प्रश्न क्रमांक एक** में **खण्ड 'क'** एवं **खण्ड 'ख'** से दो–दो प्रश्न पूछे जाऐंगे, जिनमें से प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित हैं। 10 x 2 = 20
2. **प्रश्न क्रमांक दो** में **खण्ड 'ग'** एवं **खण्ड 'घ'** (पद्यांश एवं गद्यांश) दो–दो प्रश्न पूछे जाऐंगे, जिनमें से प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित हैं। 10 x 2 = 20
3. **प्रश्न क्रमांक तीन** में दस **लघुत्तरी प्रश्न** पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्ही पाँच के उत्तर अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पर दो अंक निर्धारित हैं। 5 x 2 = 10
4. **प्रश्न क्रमांक चार** में दस **अति लघुत्तरी प्रश्न** पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्ही पाँच के उत्तर अपेक्षित हैं, प्रत्येक प्रश्न पर चार अंक निर्धारित हैं। 5 x 4 = 20
5. **प्रश्न क्रमांक पाँच** में **सम्पूर्ण पाठ्यक्रम** से दस वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर एक अंक निर्धारित हैं। 1 x 10 = 10
6. **अंतर्गत मूल्यांकन –** 20 अंक
   उपस्थिति 05 अंक
   वर्तन 05 अंक
   परिसंवाद / परिचर्चा / गृहपाठ 10 अंक

–: संदर्भ ग्रंथ :–

1)	रस मीमांसा	–	आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2)	भारतीय काव्य शास्त्र	–	डॉ. सत्यदेव चौधरी
3)	साहित्यलोचन	–	डॉ. श्याम सुंदरदास
4)	ध्वनि सिध्दांत और हिंदी के प्रमुख आचार्य	–	डॉ. रॉय
5)	आलोचना और आलोचना	–	डॉ. बच्चन
6)	रस सिध्दांत स्वरूप और विश्लेषण	–	डॉ. आनंद प्रकाश दीक्षित
7)	हिंदी आलोचना के आधार स्तंभ	–	डॉ. रामेश्वरलाल खंडेलवाल
8)	रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना	–	डॉ. रामविलास शर्मा
9)	काव्य तत्व विमर्श	–	डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
10)	समीक्षा शास्त्र के सिध्दांत	–	डॉ. श्यामसुंदर दास
11)	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन	–	डॉ. बच्चन सिंह
12)	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संक्षिप्त विवेचन	–	डॉ. सत्यदेव चौधरी एवं डॉ. शान्तिस्वरूप गुप्त
13)	पाश्चात्य काव्य शास्त्र	–	डॉ. भगीरथ मिश्र
14)	पाश्चात्य काव्य शास्त्र	–	आचार्य देवेंद्रनाथ शर्मा
15)	पाश्चात्य काव्य शास्त्र	–	डॉ. निर्मला जैन
16)	पाश्चात्य काव्य शास्त्र के सिध्दान्त	–	डॉ. मैथिलीप्रसाद भारव्दाज
17)	भारतीय काव्य शास्त्र	–	डॉ. विजयपाल सिंह
18)	पाश्चात्य काव्य शास्त्र	–	डॉ. विजयपाल सिंह
19)	संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद एवं प्राच्य काव्य शास्त्र	–	गोपीचंद नारंग
20)	हिंदी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास	–	डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय लोकभारतीय प्रकाशन
21)	काव्य के रुप	–	गुलाबराय
22)	भारतीय काव्य शास्त्र की परंपरा	–	डॉ. नगेन्द्र